

“जीवन के हर दिन होली (पवित्र) बन पवित्रता के वायब्रेशन चारों ओर फैलाना, बीती को बीती कर सफलता के वरदान को स्वरूप में लाना”

सर्व होली बच्चों को होली की मुबारक हो। आप एक-एक होली बच्चा आज बापदादा के साथ होली मनाने आये हैं तो बापदादा भी सर्व होली बच्चों को होली की मुबारक दे रहे हैं। एक-एक बच्चा कितना प्यारा है यह बाप और बच्चे जानते हैं। होलिएस्ट बाप हर बच्चे को अति स्नेह से होली की मुबारक दे रहे हैं। सर्व बच्चे होलिएस्ट बाप के होली बच्चे हैं। आज के दिन हर एक बच्चा अपने होली बनने की, होली बनाने की स्थिति को जानते हैं। बाप भी एक-एक बच्चे को कहाँ तक मन्सा-वाचा-कर्मणा, सम्बन्ध-सम्पर्क में होली बने हो, पवित्र बने हो, वह बाप भी जानते आप भी जानते हो क्योंकि बापदादा को होलिएस्ट बच्चे बहुत प्यारे हैं। तो आज हर एक बच्चा होलिएस्ट बनने की मुबारक स्वीकार करे। हर होली बच्चा नम्बरवार है लेकिन बापदादा के प्यार का अधिकारी है। तो बापदादा चारों ओर के बच्चों को चाहे देश चाहे विदेश एक-एक बच्चे को बहुत दिल व जान, सिक व प्रेम से होली बनने की मुबारक दे रहे हैं। मुबारक हो, मुबारक हो।

यह भी दिन बनाये भक्ति वालों ने हैं लेकिन हर दिन को महत्व दिया है। मनाते आप भी हो, भक्त भी हैं, साधारण बच्चे भी हैं लेकिन हर बच्चे अपने-अपने रूप से मनाते आते हैं। बच्चे तो अमृतवेले से लेके बाप को मुबारक हो, मुबारक हो की लाइन्स लगा देते हैं। चारों ओर से चाहे देश से, चाहे विदेश से, चाहे गांव से, हर बच्चा दिल से बाप को और आप सबको बहुत-बहुत मुबारक देते हैं और बापदादा बच्चों को मुबारक का रेसपान्ड बहुत-बहुत स्नेह से देते हैं।

आज अमृतवेले चारों ओर से होली मुबारक, होली मुबारक के बच्चों के दिल के गीत बाप ने सुने हैं। बाप भी अभी सम्मुख आप एक-एक बच्चे को कितने भी हैं, एकदम लास्ट बच्चे को भी मुबारक हो, मुबारक हो, मुबारक हो, दे रहे हैं। सबके चेहरे इस समय बाप के स्नेह में लगन में मगन दिखाई दे रहे हैं। बापदादा चारों ओर के बच्चों को नयनों की दृष्टि देते हुए यही मिलन मना रहे हैं बच्चे सदा हर दिन इसी मिलन के खुशी और मौज़ में आगे बढ़ते चलो। जैसे दिन का नाम है होली, ऐसे जीवन के हर दिन होली बन अर्थात् पवित्र बन पवित्रता के वायब्रेशन चारों ओर फैलाते रहो।

बापदादा एक बात पर खुश है, क्या देखा? कि हर बच्चा बापदादा को मुबारक दे रहे हैं और भिन्न-भिन्न स्थान की मुबारकें, मुबारकों की झोली भर गई। यह मुबारक सदा याद रहे, होली मुबारक है। आज बापदादा ने चारों ओर के बच्चों को अमृतवेले से लेके दिल से मुबारकें दी। हर बच्चा हर सब्जेक्ट में आगे बढ़ते चलो, बापदादा हर बच्चे के साथी हैं। अभी आज के दिन बापदादा भी आये हुए सम्मुख एक-एक बच्चे को दिल की दुआओं के साथ मुबारक दे रहे हैं। मुबारक हो, मुबारक हो। होली, जो सेकण्ड बीता वह सेकण्ड के लिए क्या कहेंगे? होली, हो लिया। हर एक बच्चा अमृतवेले से लेके अपने-अपने समय प्रमाण मुबारकों के गीत, दिल के गीत, मुख से गाते नहीं लेकिन दिल में मुबारकों के गीत बापदादा के कानों में सुनाई दिये। तो बापदादा भी एक-एक बच्चे को सम्मुख मुबारक का रेसपान्ड दे रहे हैं, हर बच्चे को दिल की दुआओं के साथ, दिल के प्यार के साथ मुबारक हो, मुबारक हो, मुबारक हो।

आज के दिन से रोज़ अमृतवेले अपने पुरुषार्थ प्रमाण बाप की दुआयें स्वीकार करना। बाप की दुआयें क्या हैं? बापदादा हर बच्चे को तीव्र पुरुषार्थी स्वरूप में देखने चाहते हैं। कोई भी बातें आयें, बातों का काम है आना लेकिन

आप बच्चों का काम है बाप के दिल की दुआयें लेना। रोज़ अमृतवेले अपने को बाप की दुआयें स्वीकार करना। सारा दिन ऐसे अनुभव करो कि बापदादा हमारे रक्षक बन साथ में हैं और बाप के साथ का अर्थ क्या है? बाप जो कहे, अमृतवेले जो मुरली सुनते हो उसमें याद प्यार के साथ दुआयें हैं ही। तो रोज़ दुआयें लेते उड़ते चलो और उड़ाते चलो। तो होली मनाना अर्थात् बीती को और वर्तमान को सदा सफलता स्वरूप बनाना है। सफलता स्वरूप है, सफलता हमारे जन्म का वरदान है। उस स्मृति से दिन को बार-बार याद करो, बापदादा का वरदान है - सफलता हर बच्चे के साथ है क्योंकि बापदादा साथ है तो सफलता सदा एक-एक बच्चे के साथ है, सिर्फ उसको प्रैक्टिकल में लाना है। है ही सफलता स्वरूप। स्वरूप ही सफलता है। तो आज के दिन यही वरदान स्मृति में रखना कि सफलता हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है। यह स्मृति असफलता की बात को भी सफल बना देगी। तो आज के दिन को सदा सफलता स्वरूप हूँ, यह आज के दिन का बापदादा का वरदान सफलता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है, यह सदा स्मृति में रखना।

तो आज होली अर्थात् बीती सो बीती। होली अर्थात् बीती। तो जो भी कुछ किया उसको आज बीती सो बीती कर आगे के लिए सफलता मेरा जन्म अधिकार है, अमृतवेले रोज़ इस वरदान को स्मृति में रख सारा दिन चेक करना और सफलता स्वरूप बनना। अभी तो बहुत नॉलेजफुल बने हो, दुनिया को पैगाम देते हो और बापदादा भी हर बच्चे को यह वरदान देते हैं कि सफलता आपका जन्म का अधिकार है। तो अमृतवेले का सफलता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है, इसको रोज़ स्मृति में रखना और प्रैक्टिकल में अगर कोई भी बात आवे तो सफलता के वरदान को याद करना और प्रैक्टिकल में लाना।

आज के होली के दिन का विशेष वरदान है - बाप समान, ब्रह्मा बाप समान सम्पन्न बनना ही है। फालो फादर। क्योंकि ब्रह्मा बाप साकार रूप में थे, अभी भी मददगार हैं इसलिए फालो ब्रह्मा बाप। सफलता मेरा जन्म अधिकार है। अधिकारी हो ना! अधिकारी हो? हाथ उठाओ। तो जहाँ सफलता अधिकार है वहाँ माया की क्या बड़ी बात है! माया के खेल देखते रहो, माया का काम है आना आपका काम क्या है? विजय प्राप्त करना। यह सदा याद रहे, सफलता के विजयी रत्न हूँ। हो सकता है ना! हो सकता है? सफलता के अधिकारी हैं ना! अच्छा।

आज की बहुत-बहुत-बहुत मुबारक हो। सब ठीक हैं। हाथ उठाओ। ऐसे ऐसे उठाओ। बहुत अच्छा लग रहा है। बापदादा भी बहुत-बहुत मुबारकों का टोकरा भरके दे रहे हैं। कुछ भी हो, याद रखना बाप की सौगात छोड़ना नहीं। अच्छा।

चारों ओर के देश विदेश के बच्चों को आज के दिन की मुबारक हो, मुबारक हो, मुबारक हो।

सेवा का टर्न दिल्ली और आगरा का है:- (इस टर्न में टोटल 25 हजार आये हैं, 14 हजार दिल्ली आगरा के हैं) बहुत अच्छा। देहली को यही वरदान है, ड्रामानुसार कि हमारे राज्य में भी दिल्ली विशेष स्थान रहेगा। जहाँ लक्ष्मी नारायण का राज्य होगा। फॉरेन वाले क्या सोच रहे हैं? फॉरेन वाले यह सोच रहे हैं कि हम भी दिल्ली के होंगे। कहाँ भी हो लेकिन दिल्ली तो मुख्य रहेगा तो आना जाना तो होगा ना। फंक्शन में तो आयेंगे ना! मिलते रहेंगे। डांस करते रहेंगे। मजे से राज्य करते रहेंगे। अभी संगमयुग का साथ वहाँ भी रहेगा। जितने नजदीक अवस्था अनुसार अभी होंगे उतना ही वहाँ भी परिवार के नजदीक होंगे। फॉरेन वाले कहाँ आयेंगे? दिल्ली में आयेंगे। सब मिल करके बहुत अच्छा राज्य करेंगे। अच्छा।

डबल विदेशी:- डबल विदेशियों ने तो आधा हाल भर दिया है। अच्छा है। अभी भारत वालों जैसा विदेशी भी हर देश से आते अपना लाभ उठाते हैं। अच्छा है। भले आये, और जाके औरों को भी साथ लायेंगे। अच्छा।

अच्छा - एक-एक बच्चे को बापदादा दिल का प्यार देते हुए गुडनाइट कर रहे हैं। अच्छा है, डबल फारेनर्स ने उन्नति अच्छी की है। पुरुषार्थ में भी कहाँ-कहाँ बहुत अच्छे अटेन्शन में हैं, बापदादा उन बच्चों को खास एक-एक को याद और प्यार दे रहे हैं।

दादियां:- सभी अच्छा सम्भाल रहे हैं। निमित्त बनके कार्य कर रहे हैं, अच्छा कर रहे हैं, करते रहेंगे।

मोहिनी बहन:- एक-एक को वरदान है। वरदान चला रहा है और पहुंच जायेंगे साथ में। राज्य करेंगे ना साथ में। आज सब तरफ की दादियां आई हैं।

रुकमणि दादी:- अभी भले नहीं देखती हो लेकिन बुद्धि सालिम है इसीलिए अभी भी जो कुछ चलता है वह जानती भी हो, चलती भी हो, चलाती भी हो। ठीक है। मुबारक हो। अच्छा।

तीनों बड़े भाईयों से:- त्रिमूर्ति सारे यज्ञ का ध्यान रखते हैं। यह त्रिमूर्ति यज्ञ की रेख-देख करने के निमित्त बने हुए हैं और साथी भी हैं, यह भी हैं। साथी भी बहुत अच्छे हैं। जैसे चला रहे हो वह भी ठीक है और एक दो के नजदीक आओ। संस्कार में नजदीक आओ। वैसे नजदीक हो लेकिन संस्कार मिलाने में यह भी ध्यान रखो। ऐसे लगे तीन नहीं हैं लेकिन एक हैं। साथी तो और भी बहुत अच्छे हैं। बापदादा के पास कोई रिपोर्ट नहीं है, अच्छे हैं लेकिन और भी अच्छा बनाना है। यज्ञ की कारोबार एकदम अच्छी चल रही है, कोई बात नहीं है, अटेन्शन दे रहे हैं और आगे भी देते रहेंगे। हर एक ने जो ड्युटी ली है, वह अच्छी सम्भाल रहे हैं। बापदादा खुश है।

हरिद्वार में सन्त सम्मेलन होने वाला है, आपकी कोई प्रेरणा हो:- कभी भी ऐसे धार्मिक स्थान पर जाते हैं तो उन्हों के प्रति शुभ भावना रख उनकी महिमा भी करनी चाहिए, जो वह समझें यह हमारे को रिगार्ड देते हैं। अच्छा है।

रमेश भाई ने बहुतों की याद दी:- सभी को कहना बापदादा ने याद दिया है।

गुजरात में सरला दीदी का अमृत महोत्सव सभी ने खूब धूमधाम से मनाया है:- अच्छा है। जन्म से ही वरदानी रही हो। अभी वरदान तो आपके गले का हार हो गये हैं इसलिए जैसे निमित्त बनके चल रहे हैं वैसे और भी आगे बढ़ाते जाओ, बढ़ाते जाओ, बढ़ाते जाओ। अच्छा।

अमर बहन:- यह भी अच्छा साथ दे रही है। अच्छा है, दोनों ही अच्छे हैं।

अच्छा - एक-एक को बापदादा याद प्यार विशेष दे रहे हैं। स्टेज पर आयेंगे तो घमसान हो जायेगा लेकिन बापदादा दूर से ही एक-एक को दृष्टि और प्यार दे रहा है।

(बाबा अगली सीजन में आयेंगे ना)

संगमयुग है साथ रहने का, साथ चलने का, साथ राज्य करने का। बाप चाहे साकार में साथ नहीं रहेंगे (शिवबाबा सतयुगी राज्य में साथ नहीं रहेंगे) लेकिन साथ में आपके राज्य की प्रेरणायें देते रहेंगे। (रथ को भी ठीक रखना) रथ को ठीक रखेंगे। अच्छा।

रुकमणी बहन ने दीदी निर्मलशान्ता जी की याद दी, आज दीदी का पुण्य स्मृति दिवस है :- जहाँ भी है, बच्ची खुश है आप भी खुश रहो। (बाबा पटना सेवा पर जा रही हूँ) अच्छा है आगे बढ़ती रहो।

“द फ्युचर आफ पावर के प्रोग्राम भारत के 35 शहरों में हुए हैं, इस उपलक्ष्य में बहुत सुन्दर केक बनाया है, जिसे बापदादा और वरिष्ठ दादियां वा भाईयों ने काटा।”